Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B^+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

IQAC in collaboration with KaroSambhav (NGO)

A Seminar on E-Waste Awareness

Date: 15.09.2022

ई-कचरे से हम लाभान्वित भी होते हैं और परेशानियां झेलने को भी अभिशप्त रहते हैं। ई-कचरे के आधिक्य से हमारा स्वास्थ्य प्रभावित होता है और तरह-तरह की बीमारियां से हम घिर जाते हैं। इसलिए इसके लिए बने कानून की सहायता से हमें समय रहते बचाव के उपाय कर लेने चाहिए।

ये तथ्य आज श्री अरविन्द महिला कॉलेज में आयोजित ' ई-कचरा प्रबंधन ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी से उभर कर आए , जिसमें अनेक विषय-विशेषज्ञों ने अपने-अपने व्याख्यान में अपने विचार रखे।

आई. क्यू. ए. सी. और 'करो संभव' संस्था के सौजन्य से आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ 0 एस0एन0 जायसवाल ने कहा कि ई-कचरा के ठोस ,द्रव्य और गैंसीय अवयवों से बचाव के लिए सरकार द्वारा पूरे बिहार में 142 इलेक्ट्रोनिकअपशिष्ट जमा केन्द्र खोले गए हैं , जिसके माध्यम से उन्हें नष्ट किया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक डॉ 0 गोपाल शर्मा ने अपने पावर प्रेजेन्टेशन के द्वारा बताया कि आज लगभग 57.4 मिलियन मिट्रिक टन ई-कचरे का जमाव पूरी पृथ्वी पर है , जिसमें तीसरे नंबर पर भारत का स्थान आता है। इसके भारी दबाव के कारण मनुष्य में डी.एन.ए, रक्त, किडनी, उत्पादन प्रक्रिया, एनीमिया आदि बीमारियां होती हैं और पूरा देश-समाज इससे प्रभावित होता है। समय रहते हमें इसके निदान के बारे में सोचना चाहिए।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही कॉलेज की प्राचार्या प्रो. पूनम ने अपने भाषण में कहा कि ई-कचरे के निष्पादन के लिए सरकारी प्रोत्साहन और जागरूकता अभियान की आवश्यकता है , जिसके बिना आम लोगों का ध्यान उसकी ओर नहीं जाता है। उन्होंने कहा कि हमारी छात्राओं और महिलाओं को इस दिशा में विशेष जागरूकता रखनी पड़ेगी , क्योंकि इसका दुष्प्रभाव उन पर ज्यादा पड़ता है। प्राचार्या प्रो. पूनम ने कॉलेज में भी ई-कचरा संग्रहण केन्द्र खोले जाने की घोषणा करते हुए छात्राओं से उसका अधिक से अधिक उपयोग किए जाने पर बल दिया।

‘करो संभव‘ के ई-कचरा विशेषज्ञ अभिषेक कुमार ने कहा कि विश्व में आज 12.9 मिलियन महिलाएं ई-अवशिष्ट से आक्रांत हैं, जिनमें 1.80 करोड़ बच्चे तो सीधे इससे प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि बेकार पड़े ई-कचरे को डिस्पोजल किया जाना चाहिए। 2019 में 282.9 मिलियन ई-कचरे को बेचा भी गया। इसका दर और बढ़ाया जाना चाहिए।

समारोह के आरंभ में नैक की संयोजक डॉ. प्रेम कुमारी ने अतिथियों का स्वागत किया , जबकि संचालन हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभा मिश्रा ने किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आई 0क्यू0ए0सी0 के संयोजक प्रो. शिवनारायण सिंह ने कहा कि छात्राओं को अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान से जोड़ने के लिए हम समय-समय पर इस तरह की संगोष्ठियां करते रहते हैं। पूर्व में भी हमने उच्च शिक्षा में शोध तथा बौद्धिक संपदा के अधिकारों का संरक्षण विषयक आयोजन किया था।

इस अवसर पर कॉलेजन्यूज बुलेटिन के नए अंक का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक-छात्र मौजूद रहे, जिनमें डॉ. विमी सिंह, डॉ. गीता कुमारी, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मिन्नीसिन्हा, डॉ. राजीव शंकर, डॉ. सपना बरुआ, डॉ. गोपाल कुमारआदि प्रमुख थे।

NewVission

A Seminar On E-Waste Awareness
IQAC, Sri Arvind Mahila College, Patna
With
" Karo Sambhav " (NGO)
Date:- 15/ 09/ 2022
11:30 AM

A Seminar On E-Waste Awareness
IQAC, Sri Arvind Mahila College, Patna
With
" Karo Sambhav " (NGO)
Chief Guest - Sri S. N Jaiswal
Special Guest - Dr. Gopal Prasad
Date:- 15/ 09/ 2022
Prof. (Dr.) Shivnarayan Singh

A Seminar On E-Waste Awareness
IQAC, Sri Arvind Mahila College, Patna
With
" Karo Sambhav " (NGO)

A Seminar On E-Waste Awareness
IQAC, Sri Arvind Mahila College, Patna
With
" Karo Sambhav " (NGO)

A Seminar On E-Waste Awareness
IQAC, Sri Arvind Mahila College, Patna
" Karo Sambhav " (NGO)

A Seminar On E-Waste Awareness
Prof. (Dr.) Punam

KARO
SAMBHAV
STAKEHOLDER AWARENESS PROGRAMME
2022-2023
SHAPING AND ENABLING BEHAVIOURAL CHANGE
PRINCIPAL PARTNERS
DELL Technologies
vivo
ASSOCIATE PARTNERS
TPV
OTHER PARTNERS
HAFELE
TOSHIBA